राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 25 नवम्बर • 2021

शिक्षित युवाओं के लिए कृषि उद्यमिता रोजगार का साधन

कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथि। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत बुधवार को 'कृषि में उद्यमिता विकास और संवद्ध क्षेत्र' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन संबोधन में अटारी जोन-3 कानपुर के निदेशक डॉ. अतर सिंह ने कहा कि उद्यमिता एक रणनीति है तो प्रशिक्षण, निगरानी व अन्य प्रकार की सहायता प्रणाली प्रदान करने के माध्यम व संभावनाएं पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि उद्यमशीलता जन्मजात

■ सीएसए कृषि विवि में 'कृषि में उद्यमिता विकास व संबद्ध क्षेत्र' पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नहीं होती, उपयुक्त शिक्षा, कौशल विकास व मार्गदर्शन के माध्यम से विकसित की जा सकती है। एमएसएमई कानपुर के संयुक्त निदेशक डॉ. वीके वर्मा ने विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सहायता के लिए पंजीकरण कराने के तौर-तरीकों की जानकारी दी। विवि के निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश ने विद्यार्थियों को कृषि उद्यमिता विषयक टिप्स दिए। डॉ. सीमा सोनकर ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में डॉ. एसके पांडे, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. वीके त्रिपाठी व डॉ. शशिकांत आदि ने भागीदारी की।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा... 12 | 15 दिन का सदस्यता अभियान चलायेगी कांग्रेस... 03

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्ष: 13 | अंक: 44 | मूल्य: ₹3.00/- | पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | लखनऊ | गुरुवार | 25 नवंबर, 2021

एनसीसी कैडेट्स ने विश्वविद्यालय परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देश क्रम में एनसीसी कैडेट्स (54 बटालियन) के छात्रों ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। जिसका संचालन एनसीसी के अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार की अगुवाई में किया गया। इस अवसर पर डॉ. सर्वेश कुमार ने कहा कि हाथ की स्वच्छता ही संक्रमण जैसी बीमारी से बचने का एकमात्र उपाय है। उन्होंने छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने और प्लास्टिक के एकल उपयोग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों से खाद तैयार करने के लिए जैविक कचरे का उपयोग करने की भी सलाह दी जिससे कचरे से धन के दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। इस अवसर पर छात्रों द्वारा मानव समुदाय और राष्ट्र की बेहतरी के लिए स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता की भावना पैदा करने और व्यवहार में बदलाव लाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर चंद्रशेखर आजाद की 25 फीट ऊंची प्रतिमा के परिसर की सफाई कर स्वच्छता अभियान कार्यक्रम चलाया गया।

अभियान के दौरान डॉ.संजीव यादव, डॉ.खलील खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

WORLD खबर एक्सप्रेस | कानपुर | बुधवार, 24-11-2021 | 06

'युवाओं को रोजगार मुहैया करा सकती है कृषि उद्यामिता'

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने दिए टिप्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष में कास्ट एन सी परियोजना के अंतर्गत तथा खाद्य एवं पोषण विभाग व एमएसएमई की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका विषय था 'कृषि में उद्यमिता विकास और संबद्ध क्षेत्र।' कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अटारी जोन-3 के निदेशक डॉ. अतर सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता हमारे शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकती है।

उन्होंने कहा कि उद्यमिता एक रणनीति है जो प्रशिक्षण, निगरानी और अन्य प्रकार की सहायता प्रणाली प्रदान करने के माध्यम से संभावनाएं पैदा कर रही है। उद्यमशीलता जन्मजात नहीं है लेकिन उपयुक्त शिक्षा, कौशल विकास और मार्गदर्शन के माध्यम से विकसित की जा सकती है। इस अवसर पर एमएसएमई कानपुर के संयुक्त निदेशक डॉ. वीके वर्मा ने उद्यमिता तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को उत्साहित किया तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं व रजिस्ट्रेशन कराने के तौर-तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के निदेशक, शोध डॉ. एच जी प्रकाश ने भी छात्र-छात्राओं को कृषि उद्यमिता के टिप्स दिए और कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के प्रति आकर्षण के लिए लगातार आयोजित हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा सोनकर ने किया। इस अवसर पर डॉ. एसके पांडे, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. वीके त्रिपाठी, डॉ. शशिकांत सहित 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

एनसीसी के छात्रों ने सीएसए में चलाया 'स्वच्छता अभियान'

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स (54 बटालियन) के छात्रों ने स्वच्छता अभियान चलाया। इसका संचालन एनसीसी के अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार की अगुवाई में किया गया। इस अवसर पर डॉ. सर्वेश ने कहा कि संक्रमण जैसी बीमारी से लड़ने के लिए हाथ की स्वच्छता ही एकमात्र उपाय है। उन्होंने छात्रों से विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने की अपील भी की। उन्होंने छात्रों को जागरूक करते हुए प्लास्टिक के एकल उपयोग के दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए छात्रों से इसका कम से कम करने की अपील की। उन्होंने छात्रों को खाद तैयार करने के लिए जैविक कचरे का उपयोग करने की भी सलाह दी, ताकि कचरे से धन के दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। इस अवसर पर छात्रों ने मानव समुदाय और राष्ट्र की बेहतरी के लिए स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता की भावना पैदा करने और व्यवहार में बदलाव लाने का संकल्प भी लिया। बाद में सभी विभागों, खेल मैदान व 25 फीट ऊंची चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के परिसर की सफाई कर स्वच्छता अभियान कार्यक्रम चलाया। इस अवसर पर डॉ. संजीव यादव, विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान सहित अन्य रहे।

प्रशासनिक भवन का किया लोकार्पण

कानपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (अटारी) जोन-3 के निदेशक डॉ. अतर सिंह ने बताया कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान अटारी, पटना के प्रशासनिक भवन का आभासी लोकार्पण केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास देश व समय की जरूरत है। किसानों की आमदनी बढ़े, उनका जीवन समृद्ध हो, खेतों में उत्पादन व उत्पादकता बढ़े, इसके लिए लगभग 11 करोड़ किसानों के खातों में एक लाख 62 हजार करोड़ रुपए जमा किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस बात का ध्यान दिया जा रहा है कि इंफ्रास्ट्रक्चर गांवों तक पहुंचे और कोल्ड स्टोरेज व वेयरहाउस की सुविधा खेतों के नजदीक हो जिससे किसानों को लाभ हों। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 80 फीसदी छोटे किसान हैं जिनके पास लगभग दो हेक्टेयर से भी कम जमीन है। सरकार का ध्यान इन छोटे किसानों के उत्थान पर है। सरकार ने छोटे किसानों के लिए 10 हजार नए कृषक उत्पादक संघ (एफपीओ) को बनाने का काम शुरू किया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अल्पकालीन ऋण के लिए 16 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया है। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने भी संबोधित किया। उप महानिदेशक (प्रसार) डॉ. एके सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। सहायक महानिदेशक रणधीर सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक व किसान उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

आज | महानगर | कानपुर,25 नवम्बर 2021 | 11

कृषि एवं उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण

कानपुर, 24 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष में कास्ट एन सी परियोजना अंतर्गत तथा खाद्य एवं पोषण विभाग एवं एमएसएमई कानपुर द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम कृषि में उद्यमिता विकास और संबद्ध क्षेत्र विषय पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ अतर सिंह निदेशक अटारी जोन 3 ने दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता हमारे शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि उद्यमिता एक रणनीति है जो प्रशिक्षण,निगरानी और अन्य प्रकार की सहायता प्रणाली प्रदान करने के माध्यम से संभावनाएं पैदा कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि उद्यमशीलता जन्मजात नहीं है।लेकिन उपयुक्त शिक्षा, कौशल विकास और मार्गदर्शन के माध्यम से विकसित की जा सकती है। इस अवसर पर एमएसएमई कानपुर के संयुक्त निदेशक डॉ वीके वर्मा ने उद्यमिता तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को उत्साहित किया तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं पंजीकरण कराने के तौर-तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने भी छात्र छात्राओं को कृषि उद्यमिता के टिप्स दिए।और कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में छात्र छात्राओं को उद्यमिता के प्रति आकर्षण हेतु लगातार आयोजित हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ सीमा सोनकर ने किया। इस अवसर पर डॉ एस के पांडे,डॉ विनीता सिंह,डॉ वीके त्रिपाठी, डॉ शशिकांत सहित 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

आज | महानगर | कानपुर,25 नवम्बर 2021 | 11

एनसीसी के छात्रों ने कैंपस में चलाया स्वच्छता अभियान

कानपुर, 24 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में एनसीसी कैडेट्स (54 बटालियन) के छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ सर्वेश कुमार ने कहा कि संक्रमण जैसी बीमारी से लड़ने के लिए हाथ की स्वच्छता ही एकमात्र उपाय है। उन्होंने छात्रों से विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने की अपील भी की। उन्होंने छात्रों को जागरूक करते हुए प्लास्टिक के एकल उपयोग के दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए छात्रों से इसका कम से कम उपयोग करने की अपील की। उन्होंने छात्रों से खाद तैयार करने के लिए जैविक कचरे का उपयोग करने की भी सलाह दी। ताकि कचरे से धन के दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। बाद में सभी विभागों खेल मैदान एवं 25 फीट ऊंची चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा के परिसर की सफाई कर स्वच्छता अभियान कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर डॉ संजीव यादव,मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आजाद की प्रतिमा के नीचे सफाई करते छात्र।

18 कानपुर न्यूज www.dinartimes.in DT दीनार टाइम्स
कानपुर, बुधवार, 24 नवंबर 2021

कृषि उद्यमिता युवाओं के लिए बेहतर अवसर

कृषि एवं उसके संबद्ध क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष में कास्ट एन सी परियोजना अंतर्गत तथा खाद्य एवं पोषण विभाग एवं एमएसएमई कानपुर द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्टीय जागरूकता कार्यक्रम कृषि में उद्यमिता विकास और संबद्ध क्षेत्र विषय पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ अतर सिंह निदेशक अटारी जोन 3 ने दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता हमारे शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकती है।

स्वरोजगार के लिए युवाओं को आगे आना होगा

उन्होंने कहा कि उद्यमिता एक रणनीति है जो प्रशिक्षण,निगरानी और अन्य प्रकार की सहायता प्रणाली प्रदान करने के माध्यम से संभावनाएं पैदा कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि उद्यमशीलता जन्मजात नहीं है लेकिन उपयुक्त शिक्षा, कौशल विकास और मार्गदर्शन के माध्यम से विकसित की जा सकती है। इस अवसर पर एमएसएमई कानपुर के संयुक्त निदेशक डॉ वीके वर्मा ने उद्यमिता तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को उत्साहित किया। तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं पंजीकरण कराने के तौर-तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने भी छात्र छात्राओं को कृषि उद्यमिता के टिप्स दिए और कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में छात्र छात्राओं को उद्यमिता के प्रति

आकर्षण हेतु लगातार आयोजित हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ सीमा सोनकर ने किया। इस अवसर पर डॉ एस के पांडे,डॉ विनीता सिंह,डॉ वीके त्रिपाठी, डॉ शशिकांत सहित 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया।

दैनिक जागरण कानपुर 25/11/2021

एनसीसी छात्रों ने विवि परिसर को किया साफ

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) में बुधवार को एनसीसी कैडेट (54वीं बटालियन) ने विवि परिसर को साफ किया। एनसीसी अधिकारी डा. सर्वेश कुमार ने कहा कि संक्रमण जैसी बीमारी से लड़ने के लिए हाथ की स्वच्छता एकमात्र उपाय है। उन्होंने छात्रों से विवि परिसर और आसपास के क्षेत्र को साफ सुथरा रखने की अपील भी की। वहीं, विवि के कुलपति डा. डीआर सिंह ने कहा कि सभी छात्र अपने घरों व आसपास भी स्वच्छता जरूर रखें। संजीव यादव, डा. खलील खान उपस्थित रहे। (वि.)

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र
जनमत टुडे 3
वर्ष:12 | अंक:313 | देहरादून, बुधवार, 24 नवंबर, 2021 | पृष्ठ:08

कृषि संबद्ध क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष में कास्ट एनसी परियोजना अंतर्गत तथा खाद्य एवं पोषण विभाग एवं एमएसएमई कानपुर द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम कृषि में उद्यमिता विकास और संबद्ध क्षेत्र विषय पर किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ अतर सिंह निदेशक अटारी जोन 3 ने दीप प्रज्वलित कर की इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता हमारे शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकती है उन्होंने कहा कि उद्यमिता एक रणनीति है जो प्रशिक्षण, निगरानी और अन्य प्रकार की सहायता प्रणाली प्रदान करने के माध्यम से संभावनाएं पैदा कर रही है उन्होंने यह भी बताया कि उद्यमशीलता जन्मजात नहीं है लेकिन उपयुक्त शिक्षा, कौशल विकास और मार्गदर्शन के माध्यम से विकसित की जा सकती है इस अवसर पर एमएसएमई कानपुर के संयुक्त निदेशक डॉ वीके वर्मा ने उद्यमिता तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को उत्साहित किया तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं पंजीकरण कराने के तौर–तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने भी छात्र छात्राओं को कृषि उद्यमिता के टिप्स दिए और कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में छात्र छात्राओं को उद्यमिता के प्रति आकर्षण हेतु लगातार आयोजित हो रहे हैं कार्यक्रम का संचालन डॉ सीमा सोनकर ने किया इस अवसर पर डॉ एस के पांडे, डॉ विनीता सिंह, डॉ वीके त्रिपाठी, डॉ शशिकांत सहित 150 से अधिक छात्र–छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया।